



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 121] नई दिल्ली, रविवार, अप्रैल 18, 1982/चैत्र 28, 1904

No. 121] NEW DELHI, SUNDAY, APRIL 18, 1982/C. JAITRA 28, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

(कम्पनी विधि बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 18 अप्रैल, 1982

सा.का.नि. 320(अ).—कम्पनी विधि बोर्ड, अधिसूचना सं. सा.का.नि. 251(अ), तारीख 18 अप्रैल, 1979 के अनुक्रम में और भारत सरकार के विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) की अधिसूचना सं. सा.का.नि. 342(अ) तारीख 24 जून, 1975 के साथ पठित कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 294कक की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपनी यह राय होने पर कि नीचे सारणी में विनिर्दिष्ट माल के प्रवर्ग के लिए मांग ऐसे माल के उत्पादन या प्रदाय से बहुत अधिक है और यह कि एकमात्र विक्रेता अभिकर्ताओं की सेवाएं, ऐसे माल के विपणन के लिए आवश्यक नहीं होंगी, प्रोपणा करता है कि इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए भारत में इस प्रकार

के माल के विक्रय के लिए किसी कम्पनी द्वारा एकमात्र विक्रेता अभिकर्ताओं की नियुक्ति नहीं की जाएगी।

### सारणी

भेषज (मूल्य नियंत्रण) आदेश, 1979 में यथापरिभाषित “प्रपूज भेषज” “भेषज” और “सविन्यास” का प्रत्येक प्रवर्ग, जो निम्नलिखित प्रवर्गों में नहीं आता है :—

- (1) आयुर्वेदिक (जिसके अन्तर्गत सिद्ध भी है) या यूनानी (तिब्ब) प्रणाली में सम्मिलित कोई वास्तविक निर्मिति ;
- (2) होमिपैथिक चिकित्सा प्रणाली में सम्मिलित कोई निर्मिति।

[फा. सं. 11/3/82-सी एल-11]

एस. एम. दूगर, सदस्य,  
कम्पनी विधि बोर्ड

### MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

(Company Law Board)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 18th April, 1982

**G.S.R. 320(E).**—In continuation of notification No. G.S.R. 251(E), dated the 18th April, 1979 and in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 294AA of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) read with the notification of the Government of India, in the Ministry of Law, Justice and Company Affairs (Department of Company Affairs) No. G.S.R. 343(E), dated the 24th June, 1975, the Company Law Board, being of the opinion that the demand for the category of goods specified in the Table below is substantially in excess of the production or supply of such goods and that the services of the Sole Selling Agents will not be necessary to create a market for such goods, hereby declares that Sole Selling Agents shall not be appointed by any company for the sale of such goods in India for a further period of 3 years from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

### TABLE

Every category of “bulk drug”, “drugs” and “formulation” as defined in the Drugs (Prices Control) Order, 1979, not being :—

- (i) any bonafide preparation included in the Ayurvedic (including Siddha) or Unani (Tibb) systems of medicine; or
- (ii) any preparation included in the Homeopathic system of medicine.

[F. No. 11/3/82-CL.XI]

S. M. DUGAR, Member,  
Company Law Board.